सांध्य दैनिक **4PM**

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 220 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 16 सितम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

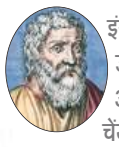

इंसान की डाइट का हर एक तत्व उसके शरीर पर असर डालता है और किसी न किसी तरह उसे चेंज करता है और इन्ही बदलावों पर उसका पूरा जीवन निर्भर करता है।
–हिप्पोक्रेटीस

ग्रुप ए से भारत एशिया कप के सुपर-4... 7 | बिहार में तेजी से बहने लगी चुनावी... 3 | राष्ट्र हित में तृणमूल और बीजेपी... 2

बीजेपी शासित राज्यों को करारा झटका

धर्मांतरण विरोधी कानून का मामला 'सुप्रीम' चौखट पर

» शीर्ष अदालत ने चार राज्यों से मांगा जवाब

» अदालत ने कानूनों पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई स्वीकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल में मुंह से खाने के बाद भाजपा नीत एनडीए सरकार को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की चौखट बुलाया गया है। शीर्ष अदालत ने धर्मांतरण विरोधी कानून पर यूपी-उत्तराखंड समेत 4 राज्यों से जवाब मांगा है।

अदालत ने कानूनों पर रोक लगाने की याचिका पर राज्यों से चार हफ्तों में जवाब मांगा है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान को नोटिस जारी क्या गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह कानूनों की जांच करेगा। कोर्ट इस बात पर भी विचार करेगा कि क्या विभिन्न हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित किया जाए या नहीं।

राज्यों के जवाब के बाद कानून पर रोक लगाने वाली मांग पर विचार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों के जवाब दाखिल होने के बाद कानून पर रोक लगाने की मांग पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने वकील सृष्टि अग्निहोत्री को याचिकाकर्ताओं की तरफ से नोडल वकील नियुक्त किया है। राज्यों की तरफ से वकील रूचिरा गोयल को नोडल वकील नियुक्त किया गया है।

अगली सुनवाई 6 हफ्ते बाद होगी

लव-जिहाद और गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन के खिलाफ यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मध्यप्रदेश और गुजरात में बने कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। मामले पर अगली सुनवाई 6 हफ्ते बाद होगी।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को दी चेतावनी

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को दी चेतावनी देते हुए कहा, अगर उन्हें बिहार चुनाव के किसी भी चरण में निर्वाचन आयोग की ओर से अपनाई गई प्रक्रिया में कोई भी अवैधता मिलती है, तो पूरी चुनाव प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी।

कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा मानना है कि संवैधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग बिहार में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि वे बिहार में एसआईआर पर आंशिक रूप से राय नहीं दे सकते हैं, क्योंकि उनका अंतिम फैसला पूरे देश पर लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अगर बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है। पीठ ने स्पष्ट किया कि वो बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में फैसला नहीं दे सकती क्योंकि उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में आयोजित एसआईआर पर लागू होगा।

एसआईआर पर 7 अक्टूबर को होगी अंतिम बहस

मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने ये भी कहा कि वह ये मानता है कि एक संवैधानिक प्राधिकारी के रूप में भारत का निर्वाचन आयोग एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर अभ्यास की वैधता पर अंतिम बहस सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख तय की।

धर्मांतरण के आरोप में फंसाने की दलील

याचिकाकर्ताओं में जमीयत उलेमा ए हिंद और सिटीजन फॉर जस्टिस एंड पीस जैसे कई संगठन शामिल हैं। याचिकाओं में कहा गया है कि ये कानून अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखने वाले जोड़ों को परेशान करने का जरिया बन गए हैं। इनकी आड़ में किसी को धर्मांतरण के आरोप में फंसाया जा सकता है।

बेटिंग ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा

» युवराज, उथप्पा और सोनू सूद से होगी पूछताछ

» मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने भेजा समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप 1×बेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ शुरू की है। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा और अभिनेता सोनू सूद को अलग-अलग दिनों में जांच के लिए तलब किया गया है। इस मामले में पहले सुरेश रैना, शिखर धवन और मिमी चक्रवर्ती से भी पूछताछ की जा चुकी है। बेटिंग ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

अधिकारियों ने मंगलवार, 16 सितंबर को जानकारी दी। रॉबिन उथप्पा (39 साल), युवराज सिंह (43 साल) और सोनू सूद (52 साल) को 1×बेट नामक प्लेटफॉर्म से जुड़े एक मामले में अगले सप्ताह अलग-अलग दिन पेश होने और मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अपने बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। उथप्पा को 22 सितंबर को, युवराज सिंह को 23 सितंबर को और सोनू सूद को 24 सितंबर को पेश होने के लिए कहा गया है। इस मामले में पिछले कुछ हफ्तों में पूर्व क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ की है। इस मामले में पूर्व टीएमसी सांसद मिमी चक्रवर्ती का बयान भी दर्ज किया है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में ईडी का पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे पर 7000 पेज का आरोपपत्र

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ 7,000 पन्नों का विस्तृत आरोपपत्र दाखिल किया है। ईडी का आरोप है कि चैतन्य 2,160 करोड़ रुपये के कथित घोटाले से प्राप्त 16.70 करोड़ रुपये के धन के लाभार्थी थे, जिसे उन्होंने अपनी रियल एस्टेट परियोजनाओं में निवेश किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ 7,000 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र दाखिल होने के साथ ही चैतन्य की न्यायिक हिरासत आज समाप्त हो गई और उन्हें अदालत में पेश किया गया।

ये है मामला?

यह जांच कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप्स से संबंधित है। आरोप है कि इस सट्टेबाजी ऐप ने कई लोगों और निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है या भारी मात्रा में टैक्स की चोरी की है। वहीं कंपनी के अनुसार, 1×बेट सट्टेबाजी इंडस्ट्री में 18 सालों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म है। कंपनी के अनुसार, ब्रांड से जुड़ने वाले ग्राहक हजारों खेल आयोजनों पर सट्टा लगा सकते हैं, कंपनी की वेबसाइट और ऐप 70 भाषाओं में उपलब्ध हैं।

प्रदेश में पुलिस बेलगाम हो गई : अखिलेश यादव

» बोले- शहीदों के परिजनों का सामना नहीं कर पाएंगे भाजपा के लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया है। पूर्व सीएम ने कहा पुलिस सरकार के नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में पुलिस बेलगाम हो गई है। इसलिए लगातार पुलिस की पिटाई से हुई मौतों के मामले सामने आ रहे थे।

वहीं, गाजीपुर में पुलिस की पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता की मौत मामले पर उन्होंने कहा कि हम तो पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए खड़े हैं लेकिन सुनने में आ रहा है कि पीड़ित पक्ष और सरकार के बीच कुछ समझौता हो गया है। हम जिसे न्याय दिलाना चाहते हैं अगर वो ही समझौता कर ले तो हम क्या कर सकते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रि या देते हुए कहा कि भाजपा के लोग पहलगाम हमले के शिकार हुए लोगों के परिजनों का सामना नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि विदेश नीति से जुड़े मामले बेहद संवेदनशील होते हैं। अखिलेश यादव सोमवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे जिसमें उनसे सवाल पूछा गया कि पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक के बीच मैच हुआ जबकि हमले का जिम्मेदार पाकिस्तान है। वहीं, दोनों देशों के तनाव के बीच भाजपा के नेता पाक क्रि केटरों के साथ कहकहे लगा रहे थे। क्या ये मुकाबला होना चाहिए था? सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये सवाल भाजपा के लोगों से ही पूछा जाना चाहिए। विदेश नीति के मामले बड़े संवेदनशील होते हैं। ये सवाल मुझसे नहीं हमले में जो शहीद हुए हैं उनके परिजनों से पूछना चाहिए। भाजपा के लोग शहीदों के परिजनों का सामना नहीं कर पाएंगे।

भाजपा बेईमानी कर सकती, सचेत रहें कार्यकर्ता

वोट काटने और वोट चोरी जैसी बात तो अखिलेश यादव अलग-अलग समय पर मुखर होकर बोलते ही रहे हैं। इस बैठक में भी उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बेईमानी कर सकती है, वोट काटने की साजिश रच सकती है और वोट चोरी की कोशिश भी कर सकती है। इसलिए कार्यकर्ताओं को सजग रहना होगा। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और थाने और तहसील में उगाही चल रही है। वहीं नौजवानों के लिए नौकरियां भी नहीं है , ना ही कोई उद्योग लग रहा है और ना ही कोई निवेश आ रहा है।

समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 में हर हाल में भाजपा को गद्दी से उतराने की तैयारी में अभी से जुट गए हैं। पार्टी ने इसके लिए अभी से तैयारी करनी आरंभ कर दिया है। पार्टी इसको लेकर लगातार अलग-अलग बैठकर कर रही है। ये बैठकें अलग-अलग समाज की हो रही हैं। साथ-साथ अलग-अलग जिलों के आए हुए लोगों से भी सपा मुखिया और कन्नौज सांसद अखिलेश यादव रोजाना मुलाकात कर रहे हैं। वर्ष 2027 चुनाव की तैयारी की बात करें तो उत्तर प्रदेश के सभी 403 सीटों पर समाजवादी पार्टी ऐसे प्रत्याशी को टिकट देने जा रही है जिसकी जीत की उम्मीद होगी। इसको लेकर समाजवादी पार्टी एक गुप्त सर्वे करने जा रही है। जिसके माध्यम से सपा सभी 403 विधानसभा सीटों पर वहां के लोकल राजनीति के हिसाब से किसका पलड़ा भारी है और किसको लोग पसंद करेंगे उसकी लड़ाने का मन बना चुकी है। सपा मुखिया ने एक बैठक में इस बात को साफ किया कि बिना सर्वे के कोई भी प्रत्याशी घोषित नहीं होगा। उन्होंने उस बैठक में साफ कहा कि सिर्फ जीतने वाले उम्मीदवार को टिकट दिया जाएगा। अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को संदेश देते हुए अखिलेश ने कहा कि वे लोग लगातार जनता के बीच रहे और मतदाताओं से संपर्क बनाकर रखें।

वोटर लिस्ट में नाम बढ़वाने पर जोर हो : आरके चौधरी

पहाड़पुर चौराहे पर सोमवार को समाजवादी पार्टी ने बख्शी का तालाब विधान सभा का बूथ स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया। इस मौके पर सांसद आरके चौधरी ने बूथ और सेक्टर अध्यक्ष से वोटर लिस्ट में नाम बढ़वाने पर विशेष ध्यान देने को कहा। बूथ अध्यक्ष और सेक्टर प्रभारियों को बस्ता दिए गए। इस सम्मेलन को मुख्य अतिथि व महासचिव अताउर्रहमान, बीकेटी नगर पंचायत चेयरमैन गणेश रावत, पूर्व विधायक राजेन्द्र यादव और पूर्व मंत्री सलाउद्दीन सिद्दीकी ने संबोधित किया। बूथ स्तरीय सम्मेलन में प्रमुख रूप से पूर्व महोना चेयरमैन एन इशरत बेग, जिला पंचायत सदस्य अरुण रावत, पूर्व विधायक गोमती यादव, अजय भदौरिया, शैलेन्द्र सिंह, सुनील भदौरिया, प्रधान संघ अध्यक्ष आदर्श सिंह, ब्लॉक प्रमुख चिनहट ऊषा सेन, महासचिव दिनेश सिंह, जिलाध्यक्ष, जय सिंह जयंत सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

राष्ट्र हित में तृणमूल और बीजेपी का कोई झगड़ा नहीं : ममता बनर्जी

» नेपाल हिंसा को लेकर सतर्क हैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र की बीजेपी सरकार के बीच सियासी जंग तो पुरानी बात है। 2026 के विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही यह तल्खी और बढ़ी है। मगर पड़ोसी देश नेपाल में हाल की अशांति ने इस सियासी दुश्मनी को एक तरफ धकेल दिया है।

ममता बनर्जी ने साफ कहा, राष्ट्रीय हित के मसले पर तृणमूल और बीजेपी का कोई झगड़ा नहीं। हमें देश की सुरक्षा के लिए एकजुट रहना होगा।दूसरी तरफ, हाल ही में बंगाल दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सियासी तकरार का जिक्र नहीं किया। यह पहली बार है जब दोनों पक्षों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर एकजुटता दिखाई है। दोनों पक्षों को अब मजबूरी में एक सुरक्षा सुलह करनी पड़ी है, ताकि सीमा पर चौकसी बरकरार रहे। पश्चिम बंगाल का नेपाल के साथ करीब 100 किलोमीटर लंबा बॉर्डर है। इसमें सिलिगुड़ी का संवेदनशील चिकन्स नेक इलाका भी शामिल है। नेपाल में जेन ज़ी विरोध प्रदर्शनों ने सियासी उथल-पुथल मचाई, जिसके बाद भारत ने अपनी सीमा पर निगरानी तेज कर दी है। पश्चिम बंगाल की अपनी खुफिया इकाई सक्रिय है और इसके निष्कर्ष नियमित रूप से प्रधानमंत्री कार्यालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को भेजे जा रहे हैं। राज्य पुलिस प्रमुख राजीव कुमार खुफिया रिपोर्ट्स तैयार कर रहे हैं, जबकि मुख्य सचिव केंद्र के साथ तालमेल बनाए हुए हैं। हाल ही में कोलकाता के फोर्ट विलियम में एक अहम बैठक हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हिस्सा लिया।

खंडवा के एसपी संविधान का आर्टिकल-19 पढ़ें : ओवैसी

» मस्जिद विवाद पर ओवैसी और सांसद पाटिल आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खंडवा। खंडवा जिले में बिहार से आकर बिना पुलिस को जानकारी दिए एक मस्जिद में इमामत करने के मामले में इमाम और मस्जिद कमेटी के सदर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इस पर एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक सभा में खंडवा एसपी को संविधान का आर्टिकल 19 पढ़ने की नसीहत दी थी। वहीं, अब खंडवा लोकसभा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने पलटवार करते हुए पुलिस की कार्रवाई का समर्थन किया है और ओवैसी को जाति-धर्म आधारित राजनीति करने वाला बताया है।

ओवैसी ने हैदराबाद की सभा में कहा था कि खंडवा की यह कार्रवाई मुस्लिम होने की वजह से की गई है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा था कि धारा 223 बड़ी है या संविधान का आर्टिकल 19 बड़ा है। ओवैसी ने इसे लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन बताया था। बता दें बीते शनिवार (8 सितंबर) को खालवा थाना पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम खारकला की मस्जिद में अख्तर रजा पिता बदरूद्दीन (निवासी बिहार) इमामत करने के लिए रह रहा है। पुलिस के अनुसार मस्जिद के सदर मोहम्मद हनीफ खान ने उसे नमाज पढ़ाने के लिए बुलाया था। पूछताछ में पता चला कि इमाम के रहने की जानकारी 72 वर्षीय मस्जिद सदर ने थाने में दर्ज नहीं कराई थी। पुलिस ने इसे जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन माना और मस्जिद के इमाम व सदर दोनों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 223 के तहत मामला दर्ज कर लिया। इस कार्रवाई के बाद मुस्लिम समाज में नाराज़गी दिखी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मामला ओवैसी तक पहुंचाया।

प्रशासन ने जो कार्रवाई की है वह नियमों के अनुसार : पटिल

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि प्रशासन ने जो कार्रवाई की है, वह नियमों के अनुसार है। उन्होंने ओवैसी को आग में घी डालने वाला बताते हुए आरोप लगाया कि वह जाति और धर्म के नाम पर राजनीति करते हैं। सांसद पाटिल ने कहा कि भाजपा सरकार और प्रशासन किसी के साथ अन्याय नहीं करता। उन्होंने ओवैसी को नसीहत दी कि अगर उन्हें कार्रवाई गलत लगती है तो कोर्ट का दरवाजा खुला है। अदालत में सच सामने आ जाएगा और न्याय होगा।

पूरा विश्व हम पर हंस रहा : भारद्वाज

पाकिस्तान के साथ मैच खेलने पर आप ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए क्रिकेट मैच पर भाजपा की केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि सरकार की दोहरी नीति ने देश की गरिमा और विदेश नीति को चोट पहुंचाई है।

कुछ महीने पहले केंद्र सरकार ने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए 52 सांसदों को 32 देशों में भेजा था मगर अब उसी पाकिस्तान के साथ मैच खेला गया। इस बात को लेकर पूरा विश्व हम पर हंस रहा है।सौरभ भारद्वाज ने तंज कसा कि दुनिया पूछ रही है कि क्या भारत आतंकवादी देश के साथ भी मैच खेलता है। उन्होंने दावा किया कि भारी विरोध के बावजूद यह मैच कराया गया लेकिन टिकट लेने के बाद भी बड़ी संख्या में भारतीय दर्शक स्टेडियम नहीं पहुंचे। दिल्ली में पहली बार भारत-पाकिस्तान मैच के बाद कहीं पटाखे नहीं फूटे। भारद्वाज ने कहा कि यह दिल्लीवासियों का भाजपा सरकार को कड़ा संदेश है कि देश से गद्दारी स्वीकार नहीं होगी।

आप नेता ने बीसीसीआई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर यह जीत शहीदों को समर्पित है तो मैच से कमाए गए करोड़ों रुपये शहीदों के परिवारों को दिए जाएं। उन्होंने भाजपा पर तंज कसा कि सरकार तो कप्तान सूर्य कुमार यादव के पाकिस्तानी कप्तान से हाथ न मिलाने पर ही शोर मचा रही है मानो उन्होंने कोई ऐतिहासिक बलिदान कर दिया हो।

बिहार में तेजी से बहने लगी चुनावी बयार

मोदी के दौरे बढ़े, तेजस्वी के भी तेवर चढ़े

- इंडिया व एनडीए गठबंधनों ने कसी कमर
- भाजपा व राजद की रणनीति पर जोर
- सर्वे में दिखी पीके व तेजस्वी की बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जैसे -जैसे बिहार में चुनावों की नजदीकी नजर आ रही है तब से राज्य की सियासत में पारा में चढ़ रहा उतर रहा है। जहां पीएम मोदी के दौरे बढ़ गए हैं तो वहीं विपक्ष ने भी राजग सरकार पर आक्रामक रूख अपना लिया है। वहीं इंडिया व एनडीए गठबंधनों के सहयोगियों में आपस में एकदूसरे पर वार-पलटवार भी जारी है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले वोट वाइब सर्वे सामने आया है। प्रशांत किशोर की पार्टी जन स्वराज को 10 प्रतिशत वोट शेयर मिलने का अनुमान है। यह वोट इंडिया और एनडीए गठबंधन के समीकरणों को बदल सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सामने आए ताजा वोट वाइब सर्वे ने राजनीति में हलचल मचा दी है। सर्वे तीन अलग-अलग सिनेरियो पर आधारित है और तीनों में प्रशांत किशोर की पार्टी जन स्वराज को लगभग 10 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है। फर्क सिर्फ इतना है कि ये वोट किस गठबंधन से कटेंगे हैं और किसको फायदा पहुंचाएगें।

जन स्वराज के साथ जुड़ाव

सर्वे के अनुसार जन स्वराज के समर्थक ज्यादातर युवा और बेरोजगारी से परेशान लोग हैं। 18 से 24 साल की उम्र के लगभग 20 प्रतिशत युवा इस पार्टी को समर्थन दे रहे हैं। ऊंची जातियों से 15 प्रतिशत, मुस्लिम समुदाय से 13 प्रतिशत, ओबीसी से 9 प्रतिशत, अनुसूचित जाति से 6 प्रतिशत और आदिवासी वर्ग से 11 प्रतिशत समर्थन मिलने का अनुमान है। इससे स्पष्ट होता है कि प्रशांत किशोर की अपील बहुस्तरीय है और समाज के अलग-अलग वर्गों को प्रभावित कर रही है।

तेजस्वी पर चिराग का निशाना, राहुल से सिर्फ मिली चोट

राजद के नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा में तमाम कोशिशों के बाद भी, कांग्रेस नेता ने उनके नेतृत्व को उचित सम्मान नहीं दिया। पासवान ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा अनदेखा किए जाने के बाद तेजस्वी यादव का दुखी होना स्वाभाविक है। तेजस्वी यादव की हालिया टिप्पणी तेजस्वी सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे के बारे में पूछे जाने पर, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार के विपक्षी नेता ने राहुल गांधी की यात्रा के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। वह राहुल गांधी की गाड़ी भी चला रहे थे। वह जहां भी जा रहे थे, वह उनके पीछे-पीछे चल रहे थे। चिराग पासवान ने आगे कहा कि इतना सब कुछ करने के बाद भी, कांग्रेस ने उनके नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया। उन्हें उचित सम्मान नहीं दिया गया। इसलिए उनका ऐसा महसूस करना स्वाभाविक है। राजद नेता की यह टिप्पणी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए महागठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत से पहले आई है। इस बीच, एशिया कप के एक मैच के दौरान भारतीय क्रिकेटरों द्वारा पाकिस्तानी क्रिकेटरों से हाथ मिलाने से इनकार करने पर, पासवान ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने सही काम किया और इस तरह उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अगर आप किसी से हाथ मिला रहे हैं और वही लोग आपके परिवार पर हमला कर रहे हैं और उन्हें मार रहे हैं, तो ऐसी तस्वीरें निश्चित रूप से उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती हैं। खेल खेला जाना चाहिए था और हमारे खिलाड़ियों ने भी इसका उतना ही सम्मान किया और उसी भावना से खेल खेला।

नड्डा ने राजद को घेरा, कहा-इंडिया के नेता सिर्फ सत्ता के भूखे

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि बिहार के बारे में चर्चा करें तो दो तस्वीर सामने आती है,- एक अंधकारमय बिहार और दूसरा उजाले की ओर बढ़ता बिहार। पहले वोटबैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति होती थी, हर काम में भ्रष्टाचार होता था, हत्या-अपहरण आम बात हो गई थी। आज एनडीए सरकार में बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश जी नेतृत्व में बिहार कई बड़े बदलाव हुए हैं। मुझे खुशी है कि महिला सशक्तिकरण में बिहार ने अपने आप को साबित किया है। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर वार करते

हुए कहा कि इंडिया के नेता सिर्फ सत्ता के भूखे हैं, यही इनका विजन और मिशन है। उन्हें सिर्फ अपने स्वार्थ से मतलब है, बिहार या भारत की जनता से कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर लालू यादव कहते थे- रोड बना देंगे तो पुलिस जल्दी पहुंच जाएगी और जानवरों के खुर खराब हो जाएंगे। पलायनवाद पर लालू महिमामंडन करते थे- बिहार का लोग गमछा पहनकर जाता है, सूट पहनकर लौटता है। आज तक राजद ने माफी नहीं मांगी! भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने राजनीति को निम्नतम स्तर पर पहुंचा दिया है। पहले इनके मंच से मोदी जी की माता जी को गालियां दी गई और कल कांग्रेस का जो वीडियो आया है वो इस बात का प्रमाण है कि उनकी सोच कितनी गंदी है। उन्होंने कहा कि ये लोग किस तरह राजनीति को गिरा रहे हैं। बिहार की धरती इसका गवाह है। जागृत बिहार की जनता सही समय आने पर इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।

इंडिया गठबंधन को मिलेगा लाभ

सर्वे का दूसरा सिनेरियो इंडिया गठबंधन के लिए सबसे अधिक फायदेमंद माना जा रहा है। जन स्वराज के असर से इंडिया गठबंधन का वोट शेयर 39 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अगर सीट शेयरिंग पर सहमति बन गई और कांग्रेस ने तेजस्वी यादव को पूरा समर्थन दिया तो महागठबंधन की सरकार बनाने की संभावना और बढ़ सकती है। सर्वे के नतीजे बताते हैं कि एनडीए को पहले और तीसरे सिनेरियो में फायदा है। वहीं इंडिया गठबंधन दूसरे सिनेरियो में सत्ता के करीब पहुंच जाता है। यह भी साफ हो गया है कि प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी इस चुनाव में किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है।

दोनों गठबंधनों पर पीके की पार्टी का असर

पहले सिनेरियो में जन स्वराज के 10 प्रतिशत वोट में से 5 प्रतिशत वोट इंडिया गठबंधन की वजह से कटते दिखाई दे रहे हैं। इस स्थिति में इंडिया गठबंधन का वोट शेयर 34 प्रतिशत रह जाता है। एनडीए का वोट शेयर 42 प्रतिशत हो जाता है। ऐसे में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने की संभावना सबसे अधिक दिख रही है। दूसरे सिनेरियो में जन स्वराज एनडीए से 5 प्रतिशत वोट खींच लेती है। इससे एनडीए का वोट शेयर 37 प्रतिशत रह जाता है। वहीं इंडिया गठबंधन का वोट शेयर 39 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। इस स्थिति में बाजी पूरी तरह पलट जाती है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में आ जाता है। तीसरे सिनेरियो में जन स्वराज एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों से बराबर यानी 2.5-2.5 प्रतिशत वोट काटती है। बाकी 5 प्रतिशत वोट अन्य दलों से आते हैं। इस स्थिति में एनडीए का वोट शेयर 39 प्रतिशत और इंडिया गठबंधन का वोट शेयर 36 प्रतिशत होता है। यहां एनडीए को बढ़त मिलती है, लेकिन फासला केवल 3 प्रतिशत का रह जाता है।

मंत्री की मनमानी पर बरसे तेजस्वी यादव

राष्ट्रीय जनता दल के विधायक और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को राज्य के नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री जिबेश कुमार पर एक पत्रकार के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, यादव ने एक कथित वीडियो दिखाया जिसमें मंत्री एक पिछड़े समुदाय से आने वाले पत्रकार पर चिल्ला रहे थे। यादव ने आरोप लगाया कि मंत्री अपने जाले निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर थे और सड़कों की स्थिति के बारे में सवाल पूछने पर उन्होंने पत्रकार की पिटाई कर दी। राजद नेता ने कहा कि वह (जिबेश कुमार मिश्रा) एक फर्जी ड्रग मामले में भी दोषी पाए गए हैं। उन्होंने मंत्री रहते हुए एक गंभीर अपराध किया है और मैं आपके सामने वह वीडियो पेश कर रहा हूं। जब मंत्री अपने निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर थे, तो एक पिछड़े समुदाय से आने वाले पत्रकार ने उनसे सड़कों के बारे में सवाल पूछा। मंत्री ने उसकी पिटाई की और उसे गालियाँ दीं। यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या राज्य के मंत्री के कार्यों के बारे में उन्हें पूर्णिया दौरे से पहले ही पता था या क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार या उपमुख्यमंत्रियों को भी इसकी जानकारी थी। उन्होंने कहा कि यही भाजपा की संस्कृति है, मैंने कभी किसी मंत्री को पत्रकार को इतनी बुरी गालियाँ देते, पीटते नहीं देखा। यह कैसा प्रशासन है? क्या उनके लिए कानून अलग है? मैं दोनों उप-मुख्यमंत्रियों और यहाँ तक कि प्रधानमंत्री से भी जानना चाहता हूँ कि कानून एक जैसा है या अलग? अगर एक जैसा है, तो एफआईआर क्यों नहीं है?

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

वक्फ संशोधन अधिनियम पर कोर्ट का उम्दा फैसला

यह हमारे संसदीय लोकतंत्र के लिए एक अच्छा संकेत है। इस विषय पर संसद के दोनों सदनों में व्यापक रूप से बहस हुई। कुछ लोग अनावश्यक रूप से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हैं। आप संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दे सकते, आप कानून के कुछ प्रावधानों को चुनौती दे सकते हैं, और सुप्रीम कोर्ट ने इस पहलू पर अपनी मुहर लगा दी।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगाने वाले सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश का सत्ता व विपक्ष दोनों ने स्वागत किया है। देखा जाए तो वाकई यह बढ़िया फैसला है। शीर्ष अदालत का फैसला न्याय, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों की जीत है। अंतरिम आदेश न केवल विरोध करने वाले दलों के लिए, बल्कि संयुक्त संसदीय समिति के उन सभी सदस्यों के लिए भी एक बड़ी जीत है, जिन्होंने इस मनमाने कानून के खिलाफ अपनी असहमति व्यक्त की थी। कांग्रेस ने कहा कि यह आदेश महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मूल कानून में निहित शरारती इरादों को खत्म करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करता है। विपक्षी दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने तर्क दिया था कि इस कानून के परिणामस्वरूप एक ऐसा ढाँचा तैयार होगा जहाँ कोई भी और हर कोई कलेक्टर के समक्ष संपत्ति की स्थिति को चुनौती दे सकेगा और ऐसे मुकदमे के दौरान संपत्ति की स्थिति अनिश्चित रहेगी। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इन धाराओं के पीछे की मंशा हमेशा स्पष्ट थी - मतदाताओं को भड़काए रखना और धार्मिक विवाद भड़काने वालों को शामिल करने के लिए एक प्रशासनिक ढाँचा तैयार करना।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूरे वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि संशोधित अधिनियम की कुछ धाराओं को संरक्षण की आवश्यकता है। अंतरिम आदेश पारित करते हुए, पीठ ने अधिनियम के उस प्रावधान पर रोक लगा दी जिसके तहत वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति को पाँच वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना आवश्यक था। रमेश ने आदेश पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, हम इस आदेश का स्वागत न्याय, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों की जीत के रूप में करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रावधान तब तक स्थगित रहेगा जब तक यह निर्धारित करने के लिए नियम नहीं बन जाते कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं। वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया। अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय भी संभाल रहे रिजिजू ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारी संस्थाओं में विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को हमारे लोकतंत्र के लिए एक अच्छा संकेत बताया। रिजिजू ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि हम वक्फ अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पड़ोस के घटनाक्रम पर रहे पैनी नजर भारत की

ज्योति मल्होत्रा

पिछले हफ्ते की शुरुआत में नेपाल में क्रांति इतनी अचानक, इतनी त्वरित और इतनी नाटकीय थी कि भारत तक अचंभित रह गया। जब पूर्व नेपाली प्रधानमंत्री केपी ओली की सशस्त्र पुलिस ने युवा छात्र प्रदर्शनकारियों पर, जिनमें स्कूल यूनिफॉर्म पहने बच्चे भी शामिल थे, निर्ममता से गोलियां चलाईं, तो भारतीय अधिकारियों को तुरंत अहसास हो गया कि पुरानी व्यवस्था ढह रही है। वे तो 16 सितंबर से शुरू होने वाली ओली की भारत यात्रा की तैयारियां कर रहे थे। वे स्तब्ध थे कि इससे एकदम पहले ही घटनाओं ने अचानक बड़ा मोड़ ले लिया। भारत-नेपाल संबंधों की खासियत यह है कि यह इतना घनिष्ठ, इतना गहरा और अटूट है कि भारत के रिश्ते किसी अन्य देश के साथ इस जैसे नहीं हैं। पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कुछ साल पहले तराई और भारत के उत्तरी सीमावर्ती इलाकों के बीच इस 'रोटी-बेटी' के रिश्ते को दिल्ली के अभिजात वर्ग को बताकर चौंका दिया था, लेकिन यह मुहावरा नेपाल और भारत के बाकी हिस्सों के लिए भी उतना ही सच है।

नेपाल के अभिजात वर्ग और सर्वहारा वर्ग- 'बाहुन' और 'छेत्री', पहाड़ों के ब्राह्मण एवं क्षत्रिय, और निचले एवं मैदानी इलाकों के अन्य जातियों के लोग - भारत में विवाह करते आए हैं या बसे हैं और काम करते हैं और भारतीय भी इसी तरह से वहां रहते-काम करते हैं। रिश्तेदारी के बंधन पीढ़ियों को नया रूप देते रहे। अगर आप पटना से जनकपुर तक गाड़ी से जाते हैं, तो खुली सीमा पार करते समय कोई भी आपकी तरफ दुबारा गौर तक नहीं करता। आप दलील दे सकते हैं कि यह बात तो भारत के हर पड़ोसी के लिए भी सच है, कि जातीयता, धर्म और संस्कृति -भूगोल एवं संप्रभुता- दोनों से, परे होती हैं। निश्चित रूप से, यह उन तीन देशों के लिए विशेष रूप से सच है जिनके लोगों ने पिछले कुछ वर्षों में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कब्जाने के विरुद्ध अपनी इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है- 2022 में श्रीलंका, 2024 में बांग्लादेश और अब नेपाल। इन सभी क्रांतियों में छोटे-बड़े अंतरों के बावजूद, मौलिक समानता अभेद है।

लोग इसलिए उठ खड़े हुए क्योंकि वे उस नेतृत्व से तंग आ गए, जिन्हें उन्होंने वोट डालकर चुना था लेकिन वे उन्हें ही गले में फंदा डालकर मवेशियों की तरह हांकने लगे। काठमांडू में चीजें तेजी से बदलीं। नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को देश के

अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जा चुकी है और संसद भंग कर दी गई है। तथापि, सत्ता के लिए संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे संकेत हैं कि नेपाली सेना प्रमुख अशोक राज सिग्डेल-जिन्हें भारत-नेपाल विशेष संबंधों के चलते पिछले दिसंबर में भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारतीय सेना में 'ब्रदर जनरल' का मानद पद प्रदान किया गया था-अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं और संभवत: राजशाही समर्थक राजनेताओं के पक्ष में झुकाव रखते हैं। यह कभी न भूलें कि दशकों तक जब नेपाल के राजा शीर्ष पर थे, तत्कालीन शाही नेपाल सेना का हर सुबह पहला घोष था 'श्री पंच को सरकार जय जय हो'! यह झटका सबसे हैरानीजनक वर्ग से आया है। कहा जाता है कि सेना प्रमुख चाहते थे कि राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल इस्तीफा देकर 'नव नेपाल' का मार्ग प्रशस्त करें, लेकिन पौडेल ने जवाब में कुछ इस तरह कहा 'आप मुझे गोली मार सकते हैं, लेकिन मैं लोकतांत्रिक बने रहना नहीं छोड़ूंगा'। पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली और शेर बहादुर देउबा जैसे अन्य राजनीतिक नेताओं के साथ, पौडेल को भी कुछ दिनों के लिए सेना की सुरक्षा में रखा गया था, लेकिन बाद में उन्हें उनके आधिकारिक आवास, शीतल निवास, में वापस भेज दिया गया। फिर कुछ अनाम, चेहराविहीन जेनरेशन ज़ेड के नेता हैं, हो सकता है जिनके गुट पिछले इन कुछ दिनों से आपस में झगड़ रहे होंगे, लेकिन वे सबसे महत्वपूर्ण अगले कदम पर अड़े हुए हैं राजशाही की वापसी कतई नहीं। और नेपाल का संविधान, जो पिछली क्रांति, 2006 के जन आंदोलन के बाद अंतत: 2015 में अस्तित्व में आया था,उसे खारिज नहीं किया जा सकता। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि नेपाल के दो सबसे महत्वपूर्ण पड़ोसी, भारत और चीन, क्या सोच रहे हैं। चीन ने अभी तक एक शब्द भी नहीं कहा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह स्थिति पर 'बारीकी से नजर' रख रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने काठमांडू को तहस-नहस करने वाली हिंसा को 'दिल दहला देने वाली' बताया है।

हालांकि, दिल्ली में किसी भी अन्य राजनीतिक दल की चुप्पी गौरतलब है - उन सभी को चुप रहने के लिए कहा गया है, जो कि होना भी चाहिए। भारत इस क्षेत्र के इस बेहद महत्वपूर्ण क्षण के साथ बहुत सावधानी से बरत रहा है। कहा जा रहा है कि नेपाल में भारत प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्ष और संवैधानिक ताकतों का समर्थन करना जारी रखेगा, जैसा कि उसने अतीत में हमेशा किया है।

श्रमशक्ति के बेहतर उपयोग से सधेंगे आर्थिक लक्ष्य

भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के कारण जन्म और मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। पहले जहां कई शिशु उचित चिकित्सा के अभाव में पांच वर्ष की आयु पूरी नहीं कर पाते थे, अब उनकी संख्या आधी रह गई है। साथ ही, औसत आयु बढ़कर अब 72 वर्ष हो गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है।

सुरेश सेठ

भारत में आगामी जनगणना की घोषणा कर दी गई है, जिसमें जातिगत आंकड़ों को भी शामिल किया जाएगा। इस जातिवार जनगणना का उद्देश्य वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर उनके कल्याण के लिए प्रभावी नीतियां बनाना है। हालांकि, यदि इस प्रक्रिया का राजनीतिकरण किया गया, तो इसके सामाजिक लाभ की बजाय केवल राजनीतिक नारों और वादों का शोर सुनाई देगा, जिससे वंचित वर्गों को वास्तविक लाभ मिलने की बजाय केवल निराशा ही हाथ लगेगी। भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के कारण जन्म और मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। पहले जहां कई शिशु उचित चिकित्सा के अभाव में पांच वर्ष की आयु पूरी नहीं कर पाते थे, अब उनकी संख्या आधी रह गई है। साथ ही, औसत आयु बढ़कर अब 72 वर्ष हो गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है।

यदि हम प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का समाधान कर सकें तो औसत आयु और शारीरिक विकास में और सुधार संभव है। भारत में लोगों को रियायती राशन तो मिल रहा है, परंतु उन्हें गुणवत्ता युक्त जीवन और रोजगार की गारंटी नहीं मिल पा रही है। इसका सीधा असर बच्चों के पोषण पर पड़ रहा है। नतीजतन, देश में कुपोषण की समस्या बनी हुई है, जिससे कुछ बच्चे छोटे कद के पैदा हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर मोटापा भी स्वास्थ्य के लिए चुनौती है। हालिया आंकड़े की वर्तमान में प्रजनन दर 1.9 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए न्यूनतम दर 2.1 प्रतिशत होनी चाहिए। इस संबंध में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर भी सामने आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रजनन दर अभी भी 2.1 प्रतिशत है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह घटकर 1.6 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा अर्थ है कि शहरी क्षेत्रों में किशोर और युवा जनसंख्या की हिस्सेदारी धीरे-धीरे कम होती जाएगी, और वृद्ध जनसंख्या का अनुपात बढ़ेगा।

इसके विपरीत, ग्रामीण भारत में यह असंतुलन अपेक्षाकृत कम देखने को मिलेगा। इस बदलाव का सामाजिक और भौतिक ढांचे पर भी असर दिखने लगा है। शहरी क्षेत्रों में अब वृद्धजनों के अनुकूल रहन-सहन की मांग बढ़ रही है। इसलिए नियोजित फ्लैट, वृद्धाश्रम, और ऐसी बस्तियों का निर्माण बढ़ रहा है जहां बुजुर्ग सुरक्षित और सहज जीवन व्यतीत कर सकें। यदि यह गिरती हुई प्रजनन दर बनी रहती है, तो आने वाले वर्षों में भारत की कार्यशील जनसंख्या में कमी आ सकती है। तब भारत को एक युवा देश कह पाना कठिन होगा।

जिस प्रकार हम जापान और चीन के बारे में कहते हैं कि वहां वृद्धजन अधिक और युवाजन घटते जा रहे हैं, भारत के शहरी क्षेत्रों में भी यह स्थिति उभर सकती है, खासकर तब जब परिवार नियोजन पर अत्यधिक बल दिया जाए। साथ ही जनसंख्या परिवर्तन का राजनीतिक उपयोग भी देखा जा रहा है। कुछ वर्गों द्वारा इन आंकड़ों को अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुसार प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे जनसंख्या नीतियों का संतुलन बिगड़ने की आशंका है। दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु से यह स्वर उभरा है कि वहां के लोगों ने समय रहते परिवार नियोजन अपनाया, जबकि उत्तर भारत के राज्य जैसे उत्तर प्रदेश-बिहार इस दिशा में अपेक्षाकृत पीछे रह गए। इसका परिणाम यह हुआ कि देश में जनसंख्या वितरण असंतुलित हो गया है। अब जब जनसंख्या के आधार पर संसदीय प्रतिनिधित्व तय होता है, तो दक्षिण भारत को आशंका है कि कम जनसंख्या के कारण उन्हें नुकसान हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि आधुनिकता के दावों के बावजूद भारत में महिलाओं को रोजगार और उन्नति के समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। केवल सीमित प्रतिशत में महिलाएं ही औपचारिक कार्य क्षेत्र में सक्रिय हैं, जबकि शेष घरेलू या खेतों में कार्यरत हैं, जिनका श्रम अक्सर अनदेखा रह जाता है।

यदि देश को विकसित बनाना है, तो महिलाओं को समान भागीदारी देनी ही होगी। इसी तरह, कुछ राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में औसत आयु में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही है, जिससे वहां की जनसंख्या बाकी देश के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चल पा रही। यह एक निवेश विसंगति को जन्म देता है, जिसके समाधान के लिए सरकार को अपनी विकास प्राथमिकताएं पुन: तय करनी होंगी। यह सही है कि भारत जैसे बड़े देश में जन्म दर का घटना एक वरदान हो सकता है, लेकिन यह तभी सार्थक होगा जब देश की युवा पीढ़ी को योग्यता के अनुरूप रोजगार मिले। आज की शिक्षा प्रणाली छात्रों को उस दिशा में नहीं ले जा रही, जहां डिजिटल, नवाचार और रोबोटिक्स आधारित अर्थव्यवस्था की मांग है। अभी भी हम क्लर्क और पारंपरिक नौकरशाह तैयार करने वाली शिक्षा प्रणाली से बाहर नहीं निकल सके हैं।

भगवान विश्वकर्मा

विश्व के प्रथम वास्तुकार और निर्माता थे

विश्वकर्मा पूजा हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। भगवान विश्वकर्मा को सृजन, निर्माण और वास्तुकला के देवता के रूप में हिंदू धर्म में पूजा जाता है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा विश्व के प्रथम वास्तुकार और निर्माता थे। वेदों में भी कई स्थानों पर विश्वकर्मा भगवान का जिक्र देखने को मिलता है। इसलिए उन लोगों के लिए है जो निर्माण, मशीनरी, और तकनीकी कार्यों से जुड़े हुए हैं, विश्वकर्मा पूजा बेहद अहम मानी जाती है। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर फैक्ट्री और दुकानों में मशीन, औजार आदि की पूजा करते हैं, वहीं कलम, दवात, बहीखाता, वाहन आदि की भी पूजा होती है। विश्वकर्मा पूजा उस दिन करते हैं, जिस दिन कन्या संक्रांति होती है।

तिथि और शुभ मुहूर्त

ऐसा माना जाता है कि विश्वकर्मा भगवान की पूजा कन्या संक्रांति के दिन होती है। यानि जिस दिन सूर्य ने कन्या राशि में प्रवेश किया था उसी दिन विश्वकर्मा जन्मे थे। इस दिन सूर्य देव उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में होंगे। इस दिन भाद्रपद मास का अंत भी होता है। विश्वकर्मा पूजा की तिथि 17 सितंबर दिन बुधवार को मनाई जाएगी। विश्वकर्मा पूजा का शुभ मुहूर्त 1:55 मिनट अपराहन को है।

उपकरणों की होती है पूजा

विश्वकर्मा पूजा के दिन अपने काम से जुड़े सभी उपकरणों और मशीनों की पूजा करने का भी विधान है। इन पर हल्दी, चंदन, और फूल चढ़ाकर दीपक जलाएं और भगवान विश्वकर्मा से उनकी सुरक्षा और समृद्धि की प्रार्थना करें। कई जगहों पर इस दिन छुट्टी रहती है और केवल मशीन और औजारों की पूजा की जाती है।

पूजा का महत्व

विश्वकर्मा पूजा का महत्व तकनीकी और निर्माण क्षेत्र में कार्यरत लोगों में ज्यादा हैं, जैसे कि इंजीनियर, आर्किटेक्ट्स, मैकेनिक, और कारीगर। इस पर्व के जरिये लोग भगवान विश्वकर्मा से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और उनसे सफलता की प्रार्थना करते हैं। माना जाता है कि इस दिन, उपकरणों और मशीनों की पूजा करने से वो सुरक्षित रहती हैं और उनके जरिये कारीगरों को लाभ प्राप्त होता है। भगवान के आशीर्वाद से व्यापार में तरक्की मिलती है। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी के आदेश पर विश्वकर्मा जी ने सृष्टि का मानचित्र बनाया था। इनको संसार का पहला इंजीनियर भी कहते हैं।

पूजन विधि

पूजा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ-सुथरे वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल की भी सफाई करें और गंगाजल का वहां छिड़काव करें। पूजा के लिए एक स्वच्छ और पवित्र स्थान आपको चुनना चाहिए। इस स्थान पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा या चित्र आप स्थापित कर सकते हैं। पूजा स्थल को आप फूलों, आम के पत्तों और रंगोली से सजा सकते हैं।

पूजन सामग्री

पूजा के लिए आपको एक नारियल, सुपारी, पान, फूल, अगरबत्ती, दीपक, कपूर, रोली, चंदन, धूप, मिठाई, और फल आदि पहले ही पूजा स्थल के पास रख देने चाहिए। अगर आप चाहें तो जो कार्य आप करते हैं उससे जुड़े उपकरणों को भी पूजा के स्थान पर रख सकते हैं।

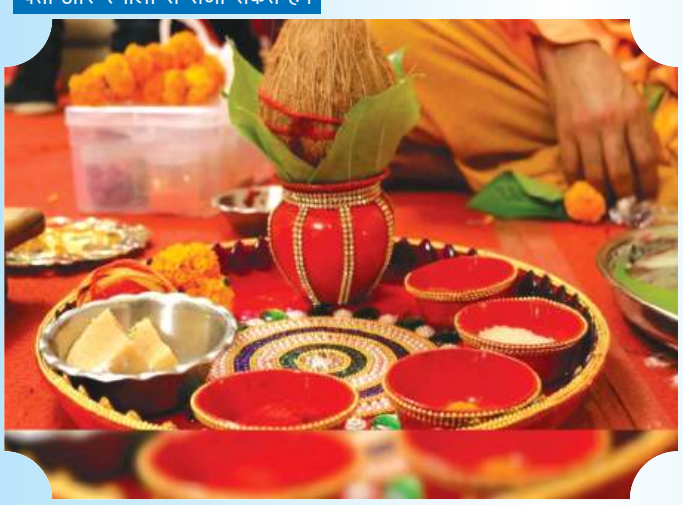

ऐसे करें पूजा

सबसे पहले आपको भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा या चित्र पर पुष्प, चंदन, रोली, और अक्षत (अटूट चावल) अर्पित करने चाहिए। इसके बाद धूप और दीप जलाकर भगवान का ध्यान आपको करना चाहिए और उन्हें मिठाई और फल अर्पित करने चाहिए। तत्पश्चात विश्वकर्मा चालीसा, आरती और अन्य स्तोत्रों का पाठ आप कर सकते हैं। अंत में, घर के लोगों में प्रसाद वितरण करें और भगवान से अपने कार्य में सफलता और समृद्धि की प्रार्थना करें।

हंसना मना है

संता- क्या हुआ क्यों उदास बैठे हो? बंता- कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं। तभी से तैयार बैठा हूं, कोई आया ही नहीं।

टीचर- चुनाव कितने चरणों में होता है? पप्पू- चुनाव केवल दो चरणों में होता है। टीचर-कैसे? पप्पू- चुनाव से पहले जनता के चरणों में.. चुनाव के बाद नेता के चरणों में..

भगवान- क्या चाहिए तुझे? भक्त- एक नौकरी, पैसों से भरा कमरा, सुकून की नींद और गर्मी से छुटकारा। भगवान- तथास्तु बेचारा भक्त अब बैंक के ATM का सिक्योरिटी गार्ड है, और वह AC में सोता रहता है!

बीवी बनाते समय भगवान ने कहा- अच्छी और समझदार बीवी हर कोने में मिलेगी और फिर दुनिया गोल बना दी, अब ढूंढ लो कोना?

प्रश्न- संस्कृत भाषा में पत्नी को क्या कहते हैं? उत्तर- गुरूजी संस्कृत तो छोड़िये, किसी भी भाषा में पत्नी को कुछ नहीं कह सकते, जान है तो जहान है, भाषाएं तो ऊपरी ज्ञान है।

कहानी | हरा घोड़ा

एक शाम राजा अकबर बीरबल के साथ अपने शाही बगीचे की सैर के लिए निकले। बगीचे के चारों ओर हरियाली ही हरियाली थी और फूलों की खुशबू वातावरण को और भी खूबसूरत बना रही थी। राजा ने बीरबल से कहा, हमारा मन है कि इस हरे भरे बगीचे में हम हरे घोड़े में बैठ कर घूमें। इसलिए मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तुम सात दिनों के अंदर हमारे लिए एक हरे घोड़े का इंतजाम करो। वहीं अगर तुम इस आदेश को पूरा करने में असफल रहते हो, तो तुम कभी भी मुझे अपनी शक्ल न दिखाना। इस बात से राजा व बीरबल दोनों वाकिफ थे कि आज तक दुनिया में हरे रंग का घोड़ा नहीं हुआ है। इसी कारण उन्होंने बीरबल को ऐसा आदेश दिया। मगर, बीरबल भी बहुत चालाक थे। इसलिए वो भी घोड़ा ढूंढने का बहाना बनाकर सात दिनों तक इधर-उधर घूमते रहे। आठवें दिन बीरबल दरबार में राजा के सामने पहुंचे और बोले, महाराज! आपकी आज्ञा के अनुसार मैंने आपके लिए हरे घोड़े का इंतजाम कर लिया है। मगर, उसके मालिक की दो शर्तें हैं। राजा ने पूछा क्या। बीरबल ने बताया, पहली शर्त यह है कि उस हरे घोड़े को लाने के लिए आपको स्वयं जाना होगा। राजा इस शर्त के लिए तैयार हो गए। उन्होंने दूसरी शर्त के बारे में पूछा। तब बीरबल ने कहा, घोड़े के मालिक की दूसरी शर्त यह है कि आपको घोड़ा लेने जाने के लिए सप्ताह के सातों दिन के अलावा कोई और दिन चुनना होगा। यह सुन राजा हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। तब बीरबल ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, महाराज! घोड़े का मालिक कहता है कि हरे रंग के खास घोड़े को लाने के लिए उसकी यह खास शर्तें तो माननी ही होंगी। राजा अकबर बीरबल की यह चतुराई भरी बात सुनकर खुश हो गए और मान गए कि बीरबल से उसकी हार मनवाना वाकई में बहुत मुश्किल काम है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे। प्रसन्नता रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा।

वृषभ

संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें।

मिथुन

सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान की प्रगति होगी। पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी।

कर्क

विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। धन का संग्रह होगा।

सिंह

यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दु:खद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें।

कन्या

प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी से बहस न करें।

तुला

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम उठाएं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक

अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे।

धनु

कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होंगे। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी।

मकर

लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है।

कुम्भ

तीर्थयात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा।

मीन

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक।

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में हुस्न का जलवा बिखेरेंगी तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड | गपशप

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही इस सीरीज का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे लोगों की तरफ से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इसके बाद इस वेब सीरीज के कई गाने रिलीज किए गए। अब एक धमाकेदार आइटम नंबर रिलीज होने के लिए तैयार है। जो एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के ऊपर फिल्माया गया है।

दरअसल द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के मेकर्स की तरफ से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया। जो इस सीरीज का प्रमोशनल सॉन्ग होगा। जिसका टाइटल गफूर है। इसमें तमन्ना भाटिया का न सिर्फ धमाकेदार डांस नंबर होगा, बल्कि बॉलीवुड के टॉप खलनायक शक्ति कपूर, गुलशन ग्रोवर, रंजीत दिखाई देंगे। फैंस ये टीजर देख एक्साइटेड हो गए हैं।

मेकर्स की तरफ से शेयर किए गए इस वीडियो में तमन्ना भाटिया का ग्लैमरस अंदाज और धमाकेदार डांस मूव्स दिखाई दे रहे हैं। टीजर में बॉलीवुड के दिग्गज खलनायक रंजीत, शक्ति कपूर और गुलशन ग्रोवर की भी एक झलक दिखाई गई है, साथ ही टैगलाइन भी दी गई है, असली खलनायकों से मिलिए। फिल्म स्त्री 2 के आइटम नंबर आज की रात के वायरल होने के बाद अब तमन्ना अपने हुस्न का जलवा इस आइटम नंबर गफूर में दिखाने के लिए एकदम तैयार हैं। वहीं सोशल मीडिया पर ये अभी से ट्रेंड कर रहा है और फैंस गाने में तमन्ना के शानदार लुक की तारीफ कर रहे हैं। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के तीन गाने अब तक सामने आ गए हैं। फैंस की तरफ से सभी गानों को खूब प्यार मिला है। हाल ही में तेनु की पता सॉन्ग रिलीज किया गया था। जिसे पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने गाया था। जिसमें आर्यन ने भी अपनी सिंगिंग का जलवा दिखाया। आर्यन खान के डायरेक्शन में बन रही सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड 18 सितंबर 2025 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस वेब सीरीज में एक दो नहीं बल्कि बहुत सारे बॉलीवुड के फेमस सितारे नजर आने वाले हैं। जिसमें बॉबी देओल, लक्ष्य लालवानी, राघव जुयाल, सहर बाम्बा, गौतमी कपूर, बादशाह, मनोज पाहवा, मोना सिंह, रजत बेदी, मनीष चौधरी, आन्या सिंह और विजयेंद्र कोहली जैसे कलाकार नजर आएंगे। इसके साथ ही कैमियों में रणवीर सिंह, आमिर खान, सलमान खान, करण जौहर, एसएस राजामौली, दिशा पाटनी, सिद्धांत चतुर्वेदी, राजकुमार राव, शाहरुख खान को देखा गया है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी में दिल्ली तलब हुईं मिमी चक्रवर्ती और उर्वशी रौतेला

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और बंगाली सिनेमा से राजनीति में कदम रखने वाली मिमी चक्रवर्ती को समन भेजा है। यह समन अवैध बेटिंग ऐप मामले से जुड़ा है। दोनों को दिल्ली मुख्यालय में पेश होकर अपने बयान दर्ज कराने होंगे।

ईडी की जांच में सामने आया कि कई ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म्स गैरकानूनी तरीके से भारत में अपना कारोबार फैला रहे हैं। इन्हीं में से एक है 1&Bet, जिसके विज्ञापनों और प्रचार-प्रसार में कई बड़े चेहरे जुड़े पाए गए। जांच एजेंसी ये समझना चाहती है कि आखिर इन सितारों की भूमिका इन एप्स के प्रचार और पब्लिसिटी में किस हद तक रही है। बता दें यह मामला नया नहीं है। इससे पहले भी ईडी ने बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद और क्रिकेट जगत की दिग्गज हस्तियों हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना से पूछताछ की थी। माना जाता है कि इन सभी से ये जानने की कोशिश की गई कि आखिर ये सितारे किन शर्तों और डील्स के तहत इन बेटिंग कंपनियों से जुड़े थे। ईडी के अधिकारियों ने कोर्ट और मीडिया में ये साफ किया था कि ये प्लेटफॉर्म शुरुआत में खुद को स्किल बेस्ड गेमिंग के तौर पर प्रचारित करते हैं। आकर्षक ऑफर्स और मशहूर चेहरों की मौजूदगी से यूजर्स को लुभाया जाता है। लेकिन असलियत में इन एप्स का एल्गोरिद्म धोखाधड़ी से भरा होता है। ये एप्स पूरी तरह से बैन होने के बावजूद अलग-अलग डोमेन्स और माध्यमों से लोगों तक पहुंच बना लेते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

पाकिस्तान के साथ मैच खेलने पर क्रिकेटर को दोषी नहीं ठहरा सकते : सुनील शेट्टी

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच के बारे में सुनील शेट्टी ने बेबाकी से अपनी राय रखी है। साथ ही वह क्रिकेटर्स को भी सपोर्ट करते दिखे हैं। बताते चलें कि क्रिकेटर केएल राहुल, सुनील शेट्टी के दामाद हैं। जानिए, भारत और पाकिस्तान मैच पर क्या बोले सुनील शेट्टी। रविवार को एक समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए सुनील शेट्टी कहते हैं, 'यह मैच अंतरराष्ट्रीय खेल संस्था का है। संस्था को अपने नियमों का पालन करना होगा। हां, एक भारतीय होने के नाते, मुझे लगता है कि यह हमारा निजी फैसला है। हम चाहे तो इसे देखें, चाहे इसे न देखें। हम वहां जाना चाहें या न जाना चाहें। यह फैसला भारत को लेना है। लेकिन आप क्रिकेटर्स को खेलने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते क्योंकि वे खिलाड़ी हैं। उनसे देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद की जाती है। मुझे लगता है कि यह फैसला हमें ही लेना ही होगा। अगर मैं इसे नहीं देखूंगा, तो मैं नहीं देखूंगा। यह आपको तय करना है कि आप में से हर कोई क्या करना चाहता है। यह बीसीसीआई के हाथ में नहीं है। यह एक अंतरराष्ट्रीय खेल संस्था का मैच है और आप किसी को दोष नहीं दे सकते हैं।' रवीना टंडन ने भी अपने ट्वीट में लिखा, ठीक है, मैच शुरू हो गया है। उम्मीद है कि हमारी टीम काली पट्टी बाँधकर खेलेगी और जीत हासिल करने से पहले अपने घुटनों के बल बैठेगी। सुनील शेट्टी के बयान से इतर उनके करियर फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'हेरा फेरी 3' में नजर आएंगे। इसके अलावा वह एक फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' भी कर रहे हैं। कुछ समय पहले सुनील शेट्टी की एक फिल्म 'केसरी वीर' भी रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक योद्धा का रोल किया था।

मां दुर्गा की मूर्ति में तवायफ के कोठों की मिट्टी क्यों मिलाई जाती है? वजह है अजीब

नवरात्रि का पर्व आते ही पूरे देश में देवी दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस दौरान जौनपुर सहित पूरे पूर्वांचल में मूर्तिकार महीनों पहले से प्रतिमा निर्माण में जुट जाते हैं। श्रद्धा और आस्था से जुड़ी इस प्रक्रिया में कई परंपराएं हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इनमें सबसे अनोखी परंपरा है– मूर्ति निर्माण में तवायफों के कोठों की मिट्टी मिलाना। यह सुनकर भले ही किसी को आश्चर्य हो, लेकिन इसके पीछे एक रोचक धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यता जुड़ी हुई है। मूर्ति निर्माण की शुरुआत एक विशेष मिट्टी से होती है, जिसे पुन्य माटी कहा जाता है। इस मिट्टी में गंगा के किनारे की पवित्र मिट्टी के साथ उन जगहों की मिट्टी भी मिलाई जाती है, जहां तवायफों के कोठे हुआ करते थे। जौनपुर के कारीगर बताते हैं कि मान्यता है कि देवी मां की मूर्ति तभी पूर्ण होती है जब इसमें हर वर्ग और हर समाज का अंश शामिल हो। तवायफ के आंगन की मिट्टी का मिलना इस बात का प्रतीक है कि देवी मां केवल साधुओं, गृहस्थों या भक्तों की ही नहीं बल्कि समाज के हर उस व्यक्ति की भी देवी हैं, जिसे समाज ने अक्सर हाशिये पर रखा है। मूर्तिकारों का कहना है कि इस मिट्टी को लाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। इसका धार्मिक महत्व यह है कि मां दुर्गा की शक्ति में किसी भी वर्ग को बाहर नहीं रखा जा सकता। समाज जिन तवायफों को उपेक्षित मानता था, उनके आंगन की मिट्टी मूर्ति में मिलाकर यह संदेश दिया गया कि देवी की कृपा सब पर समान रूप से बरसती है। जौनपुर में नवरात्रि के दौरान सैकड़ों जगहों पर दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना होती है। मंदिरों और पंडालों में सजने वाली प्रतिमाओं का आकर्षण देखने लायक होता है। मां दुर्गा की आंखों की रेखाएं खींचने से लेकर उनकी हथियारों की सजावट तक, सब कुछ बड़ी बारीकी से किया जाता है। मूर्ति निर्माण की इस लंबी प्रक्रिया में मिट्टी का चयन सबसे अहम चरण माना जाता है। यही कारण है कि 'पुन्य माटी' की परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा से निभाई जाती है।,जौनपुर शहर के वरिष्ठ मूर्तिकार बताते हैं, हमारे गुरु कहा करते थे कि मां दुर्गा की मूर्ति बनाने के लिए मिट्टी केवल खेत या नदी की नहीं ली जाती, बल्कि उसमें वह आस्था भी मिलाई जाती है, जो समाज के हर तबके से आती है। तवायफ की कोठी की मिट्टी इसलिए जरूरी है क्योंकि वहां से भी मनुष्य की भावनाएं, इच्छाएं और जीवन के रंग जुड़े हैं। मां दुर्गा सबकी रक्षा करने वाली हैं। जौनपुर की गलियों से लेकर बड़े-बड़े दुर्गा पंडालों तक, हर जगह इसकी छाप देखने को मिलती है।

अजब-गजब | सदियों पुरानी है इस लड़ाई की वजह

विषैली सांपों पर अक्सर भारी पड़ता है नेवला

सांप और नेवले की दुश्मनी का जिक्र आपने कई लोककथाओं, कहानियों और किस्सों में जरूर सुना होगा। इन दोनों के बीच की अनबन इतनी मशहूर है कि जब भी नेवला किसी सांप से भिड़ता है, उसे देखकर लोग रुक जाते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर दोनों के बीच इतनी गहरी दुश्मनी क्यों है और इस लड़ाई में किसका पलड़ा भारी रहता है? आइए, इस रोचक कहानी को विस्तार से समझते हैं। दरअसल, सांप और नेवले की दुश्मनी कोई आज की नहीं है, बल्कि ये लाखों साल पुरानी है। जंतु विशेषज्ञ बताते हैं कि दोनों के बीच इस दुश्मनी की मुख्य वजह है उनका स्वभाव और उनकी आहार श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा। नेवला एक छोटा लेकिन बेहद फुर्तीला और सतर्क शिकारी है। उसे सांप खाने में विशेष रुचि होती है, खासकर विषैले सांपों को।

दूसरी ओर, सांप जंगल में शीर्ष शिकारी है, जो चूहों, मेढकों, छिपकलियों और अन्य छोटे जीवों का शिकार करके अपना पेट भरता है। इसीलिए जब एक नेवला सांप पर हमला करता है, तो दोनों की एक-दूसरे से टक्कर तय होती है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि नेवले में एक खास प्रकार की इम्यूनिटी होती है, जो उसे सांप के ज़हर से बचाती है। वैज्ञानिक अध्ययनों

के अनुसार, नेवले के शरीर में एसीटाइलकोलाइन रिसेप्टर्स होते हैं, जो सांप के ज़हर को प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर देते हैं। इसीलिए, जहरीले सांप जैसे कि कोबरा के काटने के बावजूद भी नेवला अक्सर बच जाता है। यही वजह है कि नेवले को सांप से डर नहीं लगता, बल्कि वह उस पर सीधे हमला करता है। भले ही सांप विषैला और ताकतवर होता है, लेकिन नेवला अपनी चपलता और चालाकी के लिए प्रसिद्ध है। नेवला बहुत तेज गति से सांप के प्रहार से बचते हुए उस पर पलटवार करता है। एक नेवला आमतौर पर सांप के सिर पर हमला करता है ताकि उसे जल्द से जल्द मार सके। हालांकि, सभी सांप हमेशा हारते नहीं हैं। खासकर बड़े अजगर जैसे विशालकाय सांप नेवले को अपनी कुंडली में लपेट कर मार सकते हैं। लेकिन विषैले सांपों के मुकाबले नेवला हमेशा एक कदम आगे रहता है।

सांप और नेवले के बीच इस संघर्ष में दोनों ही एक-दूसरे के लिए एक चुनौती होते हैं। सांप अपने ज़हर से मारना चाहता है, जबकि नेवला अपने तेज दांतों से सांप को मात देना चाहता है। ये लड़ाई देखने में बेहद रोमांचक होती है, क्योंकि एक ओर सांप की शांत चाल होती है, तो दूसरी ओर नेवले की बिजली जैसी तेज़ी। इसीलिए इस मुकाबले को प्रकृति का अद्भुत संतुलन माना जाता है।

अधिकतर मामलों में नेवला सांप पर भारी रहता है। इसका मुख्य कारण नेवले की फुर्ती, चालाकी, और ज़हर के प्रति इम्यूनिटी है। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि सांप हमेशा हारता है। अगर सांप आकार में बड़ा है, या किसी मौके पर नेवला चूक गया, तो स्थिति बदल भी सकती है।

अंत में कहा जा सकता है कि सांप और नेवले की दुश्मनी प्रकृति के उस चक्र का हिस्सा है, जिसमें दोनों प्राणी अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हैं। दोनों ही जीव अपनी-अपनी विशेषताओं के लिए जाने जाते हैं, पर ज़हर से मुकाबला करने की शक्ति ने नेवले को सांप के मुकाबले अधिक सक्षम बनाया है।

टूटे घर और बर्बाद फसल देख भावुक हुए राहुल

नेता प्रतिपक्ष ने बाढ़ पीड़ितों के दर्द को सुना

» बच्चा रोने लगा तो राहुल ने गले लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर/गुरदासपुर। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को अपने बीच पाकर भावुक हो गए पंजाब के बाढ़ पीड़ित। उन्होंने अमृतसर और गुरदासपुर के प्रभावित गांवों में जाकर हालात का जायजा लिया और किसानों से बातचीत की। ट्रैक्टर पर बैठकर उन्होंने खेतों में बर्बाद फसल का जायजा लिया और लोगों के टूटे घरों को देखा जिनमें कई-कई फीट रेत भरा हुआ था। राहुल गांधी ने लोगों का दुख साझा किया और उन्हें आश्वासन व वादा किया कि वो लोकसभा में पंजाब की तबाही का मुद्दा उठाएंगे और केंद्र सरकार से हरसंभव मदद दिलवाएंगे।

उन्होंने राज्य सरकार से भी अपील की कि वह जल्द से जल्द लोगों को मुआवजा दे जिसकी उन्हें फिलहाल सबसे ज्यादा जरूरत है। राहुल ने इस दौरान गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब में जाकर माथा भी टेका और अरदास की। उनके साथ नेता विपक्ष प्रताप सिंह बावजा, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पंजाब प्रभावी भूपेश बघेल व अन्य नेता भी मौजूद थे। अमृतसर के बाद राहुल गुरदासपुर के लिए रवाना हो गए। वहां उन्होंने भारत-पाक सीमा पर स्थित गांव धर्मकोट पत्तन का दौरा कर रावी दरिया से प्रभावित किसानों और ग्रामीणों से मुलाक़ात की और उनकी आपबीती सुनी।किसानों ने सरकार से मांग की है कि खेतों से रेत उठाने के लिए जो समय सीमा तय की है, वह नाकाफी है।

बाढ़ के कारण सबसे अधिक नुकसान झेल रहे गांव

घोनेवाल में जब राहुल पहुंचे तो वहां पर मौजूद लोगों के साथ बात करने लगे। इसी दौरान एक छोटा बच्चा भी परेशानियां बताने लगा और अचानक वह रोने लगा। इसपर राहुल ने उसे गोद में उठाकर गले लगाकर उसे चुप किया। इसी दौरान राहुल लोगों के टूटे घर देखकर भावुक हो गए। गांव घोनेवाल के ग्रामीणों से मिलने के बाद राहुल ने सोशल मीडिया पर लिखा-उजड़े आशियाने, बर्बाद खेत, बिखरी ज़िंदगियां। दर्द आंखों में साफ दिखता है, मगर हौसला अटूट है। राज्य और केंद्र सरकार हर हाल में यह सुनिश्चित करे कि राहत पैकेज और मुआवजा बिना देरी पीड़ितों तक पहुंचाया जाए।

राहुल गांधी को गुरुद्वारे में सम्मान पर बवाल

एसजीपीसी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि रामदास स्थित गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब में कांग्रेस नेता को सिरोपा भेंट किए जाने की घटना की जाँच चल रही है। धामी ने स्पष्ट किया कि एसजीपीसी की अंतरिम समिति के निर्णय के अनुसार, गुरुद्वारों के गर्भगृह में राजनीतिक नेताओं या तथाकथित विशेष व्यक्तियों को सिरोपा भेंट करने पर स्पष्ट प्रतिबंध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सम्मान केवल धार्मिक हस्तियों, रागी सिंहों और सिख महापुरुषों के लिए ही आरक्षित है। धामी ने कहा, बाबा बुड्ढा साहिब में जो कुछ हुआ, उसकी पूरी जाँच शुरू कर दी गई है। कल तक पूरी रिपोर्ट सौंप दी जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष को सिरोपा देने पर एसजीपीसी सख्त रिपोर्ट तलब

इस कदम पर सिख नेतृत्व ने आपत्ति जताई है, क्योंकि यह एसजीपीसी के उस प्रस्ताव के विरुद्ध है जिसमें गुरुद्वारों के अंदर राजनीतिक नेताओं का सम्मान करने पर रोक लगाई गई है। अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने भी कड़ी आपत्ति जताई और गांधी परिवार से उनके जुड़ाव का हवाला देते हुए राहुल गांधी को सम्मानित करने के फैसले पर सवाल उठाया।

संवैधानिक संस्थाओं को खोखला कर रही भाजपा : सचिन पायलट

» बोले- तीन साल और झेलनी पड़ेगी भजन लाल सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, छत्तीसगढ़ प्रभारी और टोंक विधायक सचिन पायलट ने टोंक दौरे के दौरान प्रदेश और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस सरकार को न संविधान की परवाह है और न ही जनता के हितों की चिंता। सरकार मंदिर-मस्जिद और हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दों में लोगों को उलझा रही है, जबकि असल में संवैधानिक संस्थाओं को खोखला किया जा रहा है। पायलट ने जिला कांग्रेस कमेटी में 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद वह सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ जिला कांग्रेस कार्यालय से सवाई माधोपुर चौराहे तक पैदल रैली में शामिल हुए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है और निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं की साख पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब बदलाव चाहती है और तीन साल बाद कांग्रेस बंपर बहुमत से सत्ता में वापसी करेगी। रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाते हुए लोगों से अभियान को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी के सबूत पेश किए हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की।

मंडी की सांसद कंगना गायब?

» आपदा में प्रभावितों की नजरें ढूंढ रहीं अपना नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंडी। आपदा से जूझ रहे मंडी संसदीय क्षेत्र से सांसद कंगना रणौत ने दूरी बनाई हुई है। अपनों की खैर पूछने के लिए वह इस आपदा में एक बार ही मंडी पहुंच पाई हैं। आपदा के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय सांसद अपने संसदीय क्षेत्र में अपनी मौजूदगी भी पेश नहीं कर पाई हैं। केंद्र सरकार के मंत्री आपदा के बीच सक्रिय नजर आए। इससे अंदरखाते भाजपा नेताओं समेत पदाधिकारियों में भी रोष है। प्रभावितों में सांसद के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा के मंडी संसदीय क्षेत्र में दौरे के दौरान भी प्रभावित और लोगों की नजरें सांसद को ढूंढती रहीं।

चुनाव के दौरान कंगना ने मंडयाली बोली में खुद को मंडी की बेटी बताते हुए हर वक्त जनता के लिए उपलब्ध रहने की बातें कही थीं, लेकिन अब वह ढूंढे नहीं मिल पा रही हैं। यह अब नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर समेत संगठन के लिए गले की फांस बनकर रह गया है। मंडी जिले के विभिन्न भागों में 30 जून की रात से आपदा का कहर ऐसा बरपना शुरू हुआ कि यह थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। चौतरफा दबाव के बाद सांसद ने बीते छह जुलाई को सराज घाटी का दौरा किया। यहां पहुंचकर उन्होंने प्रभावितों का दुख दर्द बांटा, लेकिन उनके प्रभावितों से मिलने के बजाय उनके विवादित बयान ही सुर्खियों में रहे। कंगना का गृह विधानसभा क्षेत्र सरकाघाट भी आपदा से अछूता नहीं है।

कोर्ट के फैसले ने शरारती इरादों को दिया झटका

» वक्फ अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश पर जयराम रमेश ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाकर न्याय, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों को मजबूत किया है। जयराम रमेश ने इसे शरारतपूर्ण इरादों को विफल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया, जो भाजपा सरकार की कथित राजनीतिक मंशाओं पर सवाल उठाता है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि शीर्ष अदालत का फैसला न्याय, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों की जीत है।

एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव (संचार) ने कहा कि अंतरिम आदेश न केवल विरोध करने वाले दलों के लिए, बल्कि संयुक्त संसदीय समिति के उन सभी सदस्यों के लिए भी एक बड़ी जीत है,

जिन्होंने इस मनमाने कानून के खिलाफ अपनी असहमति व्यक्त की थी। जयराम रमेश ने कहा कि यह आदेश महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मूल कानून में निहित शरारती इरादों को खत्म करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करता है। उन्होंने आगे बताया कि विपक्षी दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने तर्क दिया था कि इस कानून के परिणामस्वरूप एक ऐसा ढांचा तैयार होगा जहां कोई भी और हर कोई कलेक्टर के समक्ष संपत्ति की स्थिति को चुनौती दे सकेगा और ऐसे मुकदमे के दौरान संपत्ति की स्थिति अनिश्चित रहेगी।

वक्फ की जमीन को औने-पौने दाम पर देने की मंशा पर फिरा पानी : संजय सिंह

आप सांसद व प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को केंद्र सरकार को करारा झटका बताया है। राजधानी में प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह वक्फ संशोधन बिल की धारा पर रोक लगाई है, उससे केंद्र सरकार का असली मकसद उजागर हो गया। संजय सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार अपने पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए वक्फ की जमीनों को औने-पौने दाम पर देना चाहती थी। किंतु सुप्रीम कोर्ट ने संविधान की भावना को बचाते हुए इस पर रोक लगा दी। संजय सिंह ने प्रदेश में एसआईआर के नाम पर चल रही गड़बड़ियों को भी उजागर किया। उन्होंने बताया कि महोबा जिले में एक ही घर से 243 वोट और दूसरे घर से 185 वोट दर्ज पाए गए। किसी राजा-महाराजा का घर भी इतना बड़ा नहीं होता कि एक ही छत के नीचे सैकड़ों वोटर रह सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पंचायत चुनाव से पहले करीब एक करोड़ वोट कटवाने और फर्जी वोट जोड़ने की साजिश कर रही है।

ग्रूप ए से भारत एशिया कप के सुपर-4 में पहुंचा

» दूसरे स्थान के लिए पाकिस्तान-यूएई में होगी टक्कर

» ओमान यूएई से 42 रन से हारने के साथ ही टूर्नामेंट से हुआ बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने एशिया कप के सुपर चार चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यूएई ने ग्रूप ए के मैच में ओमान को हराया जिससे भारत आधिकारिक रूप से अगले दौर में पहुंच गया। ग्रूप ए से भारत पहला देश है जो अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर गया है। दूसरे स्थान के लिए पाकिस्तान और यूएई के बीच टक्कर होगी।

भारत ने एशिया कप में अपने पहले दो मैच जीते हैं। भारत ने यूएई को नौ विकेट से हराया था, जबकि पाकिस्तान को सात विकेट से शिकस्त देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की थी। भारत दो मैचों में दो जीत से चार अंक लेकर ग्रूप ए में शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर पाकिस्तान है। यूएई के भी पाकिस्तान की तरह दो अंक हैं, लेकिन उसका नेट रन रेट माइनस 2.030 है और वह तीसरे स्थान पर है। वहीं, ओमान सुपर चार चरण की दौड़ से बाहर हो गई है। वहीं जुनैद सिद्दिकी की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर यूएई ने ओमान को 42 रनों से हराकर एशिया कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। यूएई ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाए, जवाब में ओमान की टीम 18.4 ओवर में 130 रन पर ऑलआउट हो गई।

श्रीलंका ने किया क्वालीफाई, हाँगकाँग का सफर समाप्त

दुबई। हाँगकाँग पर चार विकेट से जीत के साथ श्रीलंका की टीम ने सोमवार को एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हाँगकाँग ने 20 ओवर में चार विकेट पर 149 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने पथुम निसंका की तूफानी 68 रनों की पारी की बदौलत 18.5 ओवर में छह विकेट पर 153 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस शिकस्त के साथ हाँगकाँग का सफर मौजूदा टूर्नामेंट में समाप्त हो गया। वहीं, श्रीलंका लगातार दो मैचों में जीत के साथ चार अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है।

मंत्री के आचरण पर बिहार में सियासी रण

» पत्रकार से मारपीट मामले ने पकड़ा तूल

» राजद का नीतीश सरकार के खिलाफ हल्लाबोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजनीतिक तांड़व मचा हुआ है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए एक पत्रकार पर कथित हमले को लेकर बिहार के शहरी विकास एवं आवास मंत्री जिबेश मिश्रा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पटना में तेजस्वी ने एक वीडियो क्लिप दिखाई जिसमें कथित तौर पर मंत्री जिबेश मिश्रा अपने निर्वाचन क्षेत्र के दौरे के दौरान एक पत्रकार के साथ बदसलूकी करते दिखाई दे रहे हैं। तेजस्वी के अनुसार, पत्रकार ने कथित घटना के समय सड़कों की स्थिति पर सवाल उठाया था। उन्होंने आगे कहा कि मंत्री नकली दवाओं के एक मामले में भी दोषी पाए गए हैं।

मंत्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए : तेजस्वी

तेजस्वी ने मंत्री जीवेश कुमार पर पत्रकार से दुर्व्यवहार का लगाया आरोप

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं राज्य के नगर विकास मंत्री जीवेश कुमार पर दरभंगा जिले में उनके निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े सवाल पूछने पर एक पत्रकार के साथ अशोभनीय व्यवहार और मारपीट करने का आरोप लगाया और मंत्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव ने हाल ही में राजस्थान की एक अदालत के आदेश का हवाला भी दिया, जिसमें कुमार को कथित तौर पर नकली दवाओं के निर्माण में शामिल होने का दोषी ठहराया गया था। उन्होंने मांग की कि दरभंगा के जाले विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं मंत्री को आदेश के आलोक में बर्खास्त किया जाए या उन्हें नीतीश कुमार मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए। यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''हम कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं, जिन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित सवाल पूछने पर एक पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की। मंत्री ने पत्रकार की मां और बहनों को भी गालियां दीं।'' यादव ने संवाददाताओं से कहा, ''पत्रकार भी किसी का बेटा या भाई होता है। उससे मारपीट की गई। मैंने पहले कभी किसी मंत्री को पत्रकार के साथ इस तरह अशोभनीय व्यवहार और मारपीट करते नहीं देखा। यह कैसा प्रशासन है? मैं दोनों उपमुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि अगर कानून सबके लिए बराबर है तो मंत्री के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

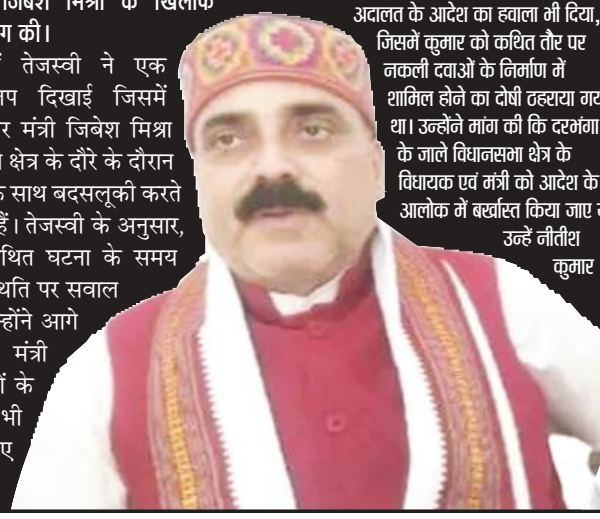

मुझे मारने की साजिश रची गई थी : जिबेश

वहीं मंत्री ने दरभंगा में संवाददाताओं से कहा, मुझे मारने की साजिश रची गई थी। मेरे सुरक्षाकर्मियों ने मुझे बचाया और वहां से निकाल लिया। मैं तो बाल-बाल बच गया, लेकिन मेरे सुरक्षाकर्मियों को चोटें आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों ने पथराव भी किया और उनके काफिले के वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और इस संबंध में उनकी ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा, मेरे किसी भी समर्थक या सुरक्षाकर्मी ने उन्हें नहीं पीटा। उन्हें खुद ही चोटें आईं। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी सुरेंद्र कुमार सुमन ने कहा कि उन्हें दोनों पक्षों से शिकायतें मिली हैं और मामले की जांच की जा रही है।

तेजस्वी यादव पर मानहानि का मुकदमा करेंगे जीवेश

नगर विकास मंत्री जीवेश कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को नोटिस भेजने की तैयारी चल रही है और उनके खिलाफ दो से तीन मुकदमे किए जाएंगे। तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए मंत्री ने कहा कि जिस निर्लज्जता के साथ वे सिंहवाड़ा आए थे, उसी गंभीरता से मुजफ्फरपुर के कांटी जाकर इसराइल मंसूरी के मामले में भी पीड़ित परिवार से मिलें। साथ ही, चंपा विश्वास के परिवार से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्रीय चैनल के पत्रकार को मुक्का मारने के मामले में भी तेजस्वी यादव को क्षमा मांगनी चाहिए।

दरभंगा में तेजस्वी को काला झंडा दिखाने की कोशिश हुई नाकाम, भाजपा नेता के समर्थकों को पुलिस ने खदेड़ा

दरभंगा। दरभंगा के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के राजो पंचायत स्थित रामपट्टी गांव में यूट्यूबर दिलीप कुमार सहनी से मिलने पहुंचे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को काला झंडा दिखाने का प्रयास विफल रहा। जानकारी के अनुसार, मौके पर मौजूद भाजपा विधायक एवं मंत्री जीवेश मिश्रा के कुछ समर्थक काला झंडा लेकर विरोध जताने पहुंचे थे। लेकिन इससे पहले कि वे प्रदर्शन कर पाते, सिंहवाड़ा थाना पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में भी लिया, जिसे बाद में छोड़ दिया गया।

देहरादून में बादल फटने से मचा कोहराम

» सड़कें-मकान बहे, युद्धस्तर पर राहत-बचाव जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देहरादून में भीषण बादल फटने से भारी तबाही हुई और मूसलाधार बारिश ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। कई इलाकों में, खासकर भारी बारिश के कारण उफनती तमसा नदी के किनारे, मकान, सड़कें, कारें और दुकानें बह गईं। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट किया, देहरादून के सहस्त्रधारा में कल देर रात हुई भारी बारिश के कारण कुछ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। मैं इस संबंध में लगातार स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूँ और व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहा हूँ। उत्तराखंड में विभिन्न स्थानों पर रातभर हुई भारी बारिश से सड़कें, मकान और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं तथा मंगलवार तड़के एक पुल बह गया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा, ''देहरादून में सहस्त्रधारा और मालदेवता तथा मसूरी से भी नुकसान की खबरें मिली हैं। देहरादून में दो से तीन लोग लापता बताए जा रहे हैं। मसूरी में एक व्यक्ति की मौत की खबर मिली है और इसकी पुष्टि की जा रही है।''

यूपी के 50 जिलों में वज्रपात की चेतावनी

उत्तर प्रदेश में मौसम फिर से बदल गया है। सोमवार को पूर्वांचल के कई जिलों में बारिश की वजह से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने आज (16 सितंबर) प्रदेश के दोनों संभागों में पूरब से पश्चिम तक भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। 18 सितंबर तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। प्रदेश के दोनों ही संभागों में आज 26 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश की संभावना है, जबकि 50 से ज्यादा जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और वज्रपात की चेतावनी है। उत्तर प्रदेश में बारिश का ये दौर अगले दो से तीन दिन तक बना रहेगा। हालांकि, पूर्वांचल में 21 सितंबर तक बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है. इस दौरान बादलों की आवाजाही जारी रहेगी।

हिमाचल में भूस्खलन ने फिर छीनी 3 जानें

हिमाचल प्रदेश में बारिश का प्रकोप जारी है। लगातार भारी बारिश के कारण प्राकृतिक आपदाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर से हिमाचल प्रदेश में रातभर हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई और मंडी में एक बस स्टैंड जलमग्न हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के नेहरी क्षेत्र के बोई पंचायत में भूस्खलन के बाद एक मकान ढह जाने से तीनों की मौत हो गई। मंडी के उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि तीनों शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि दो अन्य लोगों को बचा लिया गया है।

कैसरबाग : मछली मंडी में गिरा पेड़, बुजुर्ग की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामू दादा नामक व्यक्ति की पेड़ गिरने से मौत हो गई मौके पर बताया जा रहा है कई वर्षों पुराना पेड़ था बारिश के चलते पेड़ गिर गया और कई लोगों के फंसे होने की बात सामने आ रही है।

मंगलवार के चलते मछली मंडी मार्किट में लोगों की भीड़ कम थी और कई दुकानें लगी भी नहीं थी पेड़ के नीचे रामू दादा की दुकान थी अचानक पेड़ गिरने से वो सीधे पेड़ रामू दादा के ऊपर जा गिरा जिससे वह निकलने पाए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई मौके पर पहुंची दमकल की टीम नगर निगम टिम थाना कैसरबाग फोर्स रेस्क्यू किया गया जिससे मृतक रामू दादा नामक व्यक्ति को बाहर निकाला गया अभी रेस्क्यू जारी है और भी लोगों के फंसे होने की सूचना है।

सुप्रीम कोर्ट से महेश राउत को राहत

» चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत, एल्गार परिषद-भीमा कोरेगांव मामले में फै सला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एल्गार परिषद-भीमा कोरेगांव मामले के आरोपी महेश राउत को चिकित्सा आधार पर अंतरिम ज़मानत दे दी। यह आदेश न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने राउत की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया जिसमें उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा ज़मानत दिए जाने के बावजूद उन्हें जेल में रखे जाने के खिलाफ अपील की थी।

राउत की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सी.यू. सिंह ने पीठ के समक्ष दलील दी कि उनके मुवक्किल रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित हैं और उन्हें विशेष उपचार की आवश्यकता है। इस पर गौर करते हुए, पीठ ने कहा, आवेदक चिकित्सा आधार पर अंतरिम ज़मानत मांग रहा है और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उसे वास्तव में (बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा) ज़मानत दी गई थी, हम छह सप्ताह की अवधि के लिए चिकित्सा ज़मानत देने के पक्ष में हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने राउत की ज़मानत याचिका स्वीकार कर ली थी, लेकिन राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) के अनुरोध पर अपने ही आदेश पर एक हफ़्ते के लिए रोक लगा दी थी। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई तक उनकी रिहाई पर रोक बढ़ा दी।

राउत के वकील ने तर्क दिया कि कार्यकर्ता को जेल में या जेजे अस्पताल में, जहाँ उनकी जाँच चल रही थी, पर्याप्त इलाज नहीं मिल पा रहा था।

हाथ न मिलाने से पाप नहीं धुलता : राउत

» भारत बनाम पाकिस्तान मैच से नाराज है शिव सेना उद्धव गुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एशिया कप 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच होने पर संजय राउत खासा नाराज हैं। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत मैच वाले दिन (रविवार, 14 सितंबर) से ही केंद्र सरकार, आईसीसी चेयरमैन जय शाह और इंडियन क्रि केट टीम पर निशाना साध रहे हैं। इस बीच संजय राउत ने भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर बड़ा हमला बोला है।

बता दें सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ विरोध दर्ज कराते हुए पाक की टीम से हाथ नहीं मिलाया था। इसपर संजय राउत ने कहा कि पाकिस्तान के कप्तान से हाथ न मिलाने से पाप नहीं धुलता। संजय राउत ने सूर्यकुमार यादव पर भड़कते हुए कहा, मैदान पर मैच खेला गया. पाकिस्तानी के अधिकारियों से हाथ मिलाए गए हमने देखा।

बीजेपी पर भी साधा निशाना

संजय राउत का कहना है कि भारत में आतंकवाद फैलाने वालों के हाथ को मजबूत करने का राष्ट्रीय कार्य बीजेपी सरकार ने पूरा किया। रविवार को एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के माध्यम से बीजेपी सरकार ने आतंकवादियों का खुलकर समर्थन किया और आर्थिक मदद पहुंचाई। हर भारतीय नागरिक को इस कृत्य की निंदा करनी चाहिए।

यह ढोंग पीएम मोदी को ही शोभा देता है

यह ढोंग पीएम मोदी को शोभा देता है, सूर्यकुमार यादव को अगर खेलना था तो खेलो, नहीं खेलना था तो बाहर निकलो। भारतीय कप्तान पर निशाना साधते हुए संजय राउत ने कहा, पैसे जाते तो जाते, लेकिन जय शाह की टीम अगर सच में देशभक्त होती तो मैच खेलने ही नहीं जाती. हाथ नहीं मिलाया जैसे बहाने मत दो। आपने गंदगी खाई है और अब आपके मुंह से वही बदबू आ रही है।

एकनाथ शिंदे ने भारतीय महिलाओं का अपमान किया

एकनाथ शिंदे गुट पर हमला बोलते हुए संजय राउत ने कहा कि शिंदे गुट ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार का खासतौर पर अभिनंदन किया। यह उन भारतीय महिलाओं का अपमान है जिनकी मांग से सिंदूर पोंछ दिया गया है। इसे शुद्ध हिंदी में 'चाटुकारिता' कहते हैं. इस बहाने उनके हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का ढोंग निर्वस्त्र हो गया. अरे, थू है तुम्हारे ढोंग पर, पाखंड पर।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।